न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, नीम का थाना
उनवान :- सुरेन्द्र सिंह बनाम तहसीलदार उदयपुरवाटी
किस्म :- प्रार्थना-पत्र (स्थगन) ; मु०न० :- 03/2024

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज प्रा०पत्र 3/2024	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
24/7/24	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उप०। वकील प्रार्थी कि बहस सुनी गई। वकील प्रार्थी कि बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली व पत्रावली मे उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन किया गया। पत्रावली में उपलब्ध अधिनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय की प्रति का अवलोकन किया गया। जिससे अवलोकन से पाया गया कि प्रार्थी भूमि ख० नं० 407 तन ग्राम मणकसास तहसील उदयपुरवाटी रकबा 0.55 है० बजड़ मे 62.4 है० वर्गमीटर मे ईंटो की दुकान बनाकर अतिक्रमण कब्जा पाया है। प्रार्थना पत्र मे निस्तारण के समय-न्यायालय को यह देखना है कि क्या प्रार्थी के पक्ष मे प्रथम दृष्टया मामला, सुविधा का सन्तुलन व अपूरणीय क्षति के बिन्दु बनते हैं अथवा नही। प्रत्येक बिन्दु पर विवेचन निम्न प्रकार है। 1. प्रथम दृष्टया मामला :- पत्रावली व पत्रावली मे प्रस्तुत रिकार्ड के अवलोकन से पाया गया कि प्रार्थी विवादित भूमि का खातेदार नही है। विवादित भूमि राजकीय भूमि है। जिस पर प्रार्थी द्वारा अनाधिकृत रूप से अतिक्रमण कर रखा है। जिसका उसे कोई अधिकार नही है। प्रथम दृष्टया मामला देखने के लिए कब्जा होना आवश्यक है। परन्तु प्रार्थी द्वारा जो कब्जा कर रखा है वह राजकीय भूमि है। रिकॉर्डेड खातेदार व राजकीय भूमि पर अस्थायी निषेधाज्ञा जारी किया जाना उचित प्रतीत नही होता है। पत्रावली मे उपलब्ध रिकार्ड से व राजकीय भूमि पर अतिक्रमण करने से प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थी के पक्ष में बनना नही पाया जाता है। 2. सुविधा का सन्तुलन :- जहाँ तक [illegible] बिन्दु का प्रश्न है। प्रार्थी का प्रार्थ[illegible] स्वीकार करने कि दशा में ज्यादा [illegible] होगी। क्योंकि विवादित भूमि [illegible] खातेदारी कि ना होकर राजकीय भूमि है। इस हेतु इस स्टेज पर सुविधा का सन्तुलन प्रार्थी के पक्ष में होना नही पाया जाता है। 3. अपूरणीय क्षति का सिद्धान्त :- जहाँ तक इस बिन्दु	

Signature Not Verified
Digitally signed by Anil Kumar
Date: 2024.07.31 09:57:59 IST
Reason: SelfAttested

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अति० जिला मजिस्ट्रेट ★ नीमकाथाना (राजस्थान)

(अनिल कुमार)
अतिरिक्त जिला कलक्टर

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	का प्रश्न है कि प्रार्थना पत्र अस्वीकार किए जाने कि दशा मे प्रार्थी को कोई विधिक हानी ना होकर किसी अपूरणीय क्षति के कारित होने की सम्भावना नही है। क्योंकि भूमि राजकीय है। जो प्रार्थी स्वयं स्वीकार करते आ रहे है। एवं प्रस्तुत रिकार्ड से भी स्पष्ट है। इस प्रकार प्रार्थी अपने पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला सुविधा का सन्तुलन व अपूरणीय क्षति के बिन्दु साबित करने में असफल रहा है। अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी अपने प्रार्थना पत्र को साबित करने में असफल रहा है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र बाबत स्थगन खारीज किया जाता है। पि०ड़. पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। (अनिल कुमार) अतिरिक्त जिला कलक्टर नीमकाथाना	

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट ★ नीमकाथाना (राजस्थान)

Signature Not Verified

Digitally signed by Anil Kumar
Date: 2024.07.31 09:57:59 IST
Reason: SelfAttested